नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

सविता कोल्हे का आलेख विश्व हिंदी सम्मेलन के लिए चयनित

वर्धा दि. 3 सितंबर 2015- महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में प्रवासन और डायस्पोरा अध्ययन विभाग की एम. फिल. की शोधार्थी सविता कोल्हे का आलेख भोपाल में 10-12 सितंबर में आयोजित दसवें विश्व हिंदी सम्मेलन में चयनित हुआ है। आलेख का विषय **पत्रकारिता में गिरमिटियों के लिए हिंदी एक मिसाल** है। यह आलेख भोपाल के लाल परेड ग्राउंड पर आयोजित सम्मेलन में 11

सितंबर को डॉ. मोटुरि सत्यनारायण प्रदर्शनी कक्ष (सम्मेलन स्थल) में प्रस्तुत करेगी। आलेख में भारत से मजदूर बंधुआ प्रणाली के तहत दूसरे देशों में भेजे गए भारतीयों को बहुत ही कठिनाइयों के साथ जीवनयापन करना पड़ा। इसमें भारतीयों ने हिंदी पत्रकारिता के माध्यम से अपने अधिकार एवं अपनी पहचान के लिए लड़ाई लडी। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका में गांधीजी ने भी पत्रकारिता को महत्वपूर्ण स्थान देकर इस माध्यम भारतीयों को जोड़ने की बात कहीं है। इसका चित्रण आलेख में उतारा है। उल्लेखनीय है कि सविता ने अपनी प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा मराठी भाषा में पूरी की है। इसके बाद उन्होंने हिंदी भाषा से स्नातक की पढ़ाई जनसंचार विषय में की। हिंदी भाषा में शुरुआत से रुचि रही है। उन्होंने इसे आगे भी बरकरार रखा और लोकमत समाचार के भंडारा जिले के संपादकीय विभाग में एक साल कार्य किया। उन्होंने 9 जनवरी 2015 को महात्मा गांधी के भारत आगमन के शताब्दी समारोह गांधी नगर (महात्मा मंदिर) गुजरात में आयोजित प्रवासी भारतीय दिवस में भी भाग लिया। इसके अलावा उन्होंने प्रवासी भारतीय से जुड़े विषयों एवं पत्रकारिता में लेखन किया है। सविता की इस सफलता पर उन्हें विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र, प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र, कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र, प्रवासन और डायस्पोरा विभाग के अध्यक्ष डॉ. राजीव रंजन राय, डॉ. मुन्नालाल गुप्ता और अन्य विभागों विभागाध्यक्ष और सहायक प्रोफेसरों, माता-पिता, एवं मित्रों ने शुभाकांनाएं दी।